



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 87]

नई दिल्ली, बुधवार, अप्रैल 20, 2000/चैत्र 31, 1922

No. 87]

NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 20, 2000/CHAITRA 31, 1922

वाणिज्य विभाग

(पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 20 अप्रैल, 2000

अंतिम जांच परिणाम

विषय : जापान, मलेशिया, स्पेन और ताइवान से शुद्ध टैरिफथैलिक एसिड (पीटीए) के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच-अंतिम जांच परिणाम।

सं. 27/1/98-डी जी ए डी.—वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति-निर्धारण) नियम, 1995 को ध्यान में रखते हुए :

क. पद्धति

1. नीचे वर्णित प्रक्रिया का पालन किया गया है :

i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें इसके बाद प्राधिकारी भी कहा गया है) ने दिनांक 22.10.99 की अधिसूचना द्वारा जापान, मलेशिया, स्पेन और ताइवान (जिन्हें इसके बाद सम्बद्ध देश भी कहा गया है) से शुद्ध टैरिफथैलिक एसिड (पी.टी.ए.) के संबंध में पाटनरोधी जांच के बारे में प्रारंभिक निष्कर्षों को अधिसूचित किया था तथा हितबद्ध पार्टियों से इसके प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों के भीतर लिखित रूप से अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया था।

ii) प्राधिकारी ने ज्ञात हितबद्ध पार्टियों को प्रारंभिक निष्कर्षों की एक प्रति भेजी थी जिनसे पत्र की तारीख से 40 दिनों के भीतर प्रारंभिक निष्कर्षों के बारे में अपने विचार, यदि कोई हों, प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था ;

iii) प्राधिकारी ने प्रारंभिक निष्कर्षों की एक प्रति नई दिल्ली स्थित जापान, मलेशिया, स्पेन तथा ताइवान के दूतावासों को भी इस अनुरोध के साथ भेजी थी कि निर्यातकों तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों को प्रारंभिक निष्कर्षों पर अपने-अपने विचार उपर्युक्त पैरा (i)(ii) में यथानिर्धारित समय-सीमा के भीतर भेजने की सलाह दी जाए।

iv) प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पार्टियों को अपने विचार मौखिक रूप से प्रस्तुत करने के लिए 2.12.99 को सार्वजनिक सुनवाई का अवसर प्रदान किया। प्राधिकारी ने एक हितबद्ध

पार्टी के विशेष अनुरोध पर उन्हें 2.2.2000 को सुनवाई के लिए एक और अवसर प्रदान किया और इस बारे में सभी हितबद्ध पार्टियों को सूचना भेज दी गई थी। अपने विचार व्यक्त करने वाली सभी पार्टियों से अनुरोध किया गया था कि वे व्यक्त किए गए अपने विचारों को लिखित रूप में प्रस्तुत करें। पार्टियों को सलाह दी गई थी कि वे विरोधी पक्षों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों की प्रतियां तथा उनके प्रत्युत्तर, यदि कोई हों, प्राप्त कर लें।

v) प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पार्टियों को विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए सभी साक्ष्यों के अगोपनीय अंशोंवाली फाइल उनके अनुरोध पर निरीक्षण हेतु उपलब्ध करवाई थी।

vi) प्रारंभिक निष्कर्षों की घोषणा से पहले हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए तर्क, जिन्हें अधिसूचित किए गए प्रारंभिक निष्कर्षों में प्रकाशित किया गया है, उन्हें संक्षिप्तता के कारण इसमें दोहराया नहीं गया है। परन्तु, हितबद्ध पार्टियों द्वारा बाद में दिए गए तर्कों पर जो नियमों के तहत प्रासंगिक हैं, प्रारंभिक निष्कर्षों और/या इन निष्कर्षों में उचित ढंग से विचार किया गया है।

vii) उपरोक्त नियमों के नियम 16 के अनुसार इन निष्कर्षों के लिए विचारित अनिवार्य तथ्यों/आधार का खुलासा ज्ञात हितबद्ध पार्टियों के लिए 16.3.2000 के प्रकटन विवरण-पत्र में किया गया था और उन पर मिली टिप्पणियों पर भी इन निष्कर्षों में विधिवत् विचार किया गया है।

viii) इस मामले में मानी गई जांच की अवधि 1.4.98 से 31.12.98 है।

ख. याचिकाकर्ताओं, निर्यातकों, आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार और प्राधिकारी द्वारा उनकी जांच।

2. विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों पर प्रारंभिक निष्कर्षों में और प्रकटन विवरण-पत्र में भी चर्चा की गई है। जिन विचारों पर प्रारंभिक निष्कर्षों और प्रकटन विवरण-पत्र में पहले विचार नहीं किया गया है और जो मुद्दे अब प्रकटन विवरण के जबाब में उठाए गए हैं, उन पर नीचे दिए गए संगत पैराग्राफों में उस सीमा तक विचार किया गया है जहां तक वे नियमों के अनुसार संगत हैं और जहां तक वे इस मामले पर प्रभाव डालते हैं। हितबद्ध पार्टियों द्वारा उठाए गए तर्कों की जांच की गई है और जहां कहीं भी उचित समझा गया है, नीचे दिए संगत पैराग्राफों में उन पर विचार किया गया है।

ग. विचाराधीन उत्पाद

3. वर्तमान जांच में शामिल विचाराधीन उत्पाद शुद्ध टैरिफथैलिक एसिड अथवा पीटीए है जो सम्बद्ध देशों के मूल का है अथवा वहां से निर्यातित है, जो सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के सीमाशुल्क उपशीर्ष 2917.36 के अंतर्गत वर्गीकृत है। यह वर्गीकरण

सांकेतिक है और वर्तमान जांच के कार्य-क्षेत्र पर किसी भी प्रकार से बाध्यकारी नहीं है। पी0टी0ए0 मुक्त रूप से बहने वाला सफेद क्रिस्टलीन पाउडर है जो किसी भी प्रकार की दिखाई देने वाली अपवित्रता से मुक्त है। पी0टी0ए0 सामान्यतया पोलिस्टर स्टेपल फाइबर/फिलामेंट यार्न/पॉलीथिलीन टैरिफथैलेट (पीइटी) (टैक्सटाइल ग्रेड) और पोलिस्टर फिल्मों के निर्माण में प्रयुक्त होता है।

घ. "घरेलू उद्योग" याचिकाकर्ता की स्थिति

4. यह याचिका मैसर्स रिलायंस इंडस्ट्रीज लि0, तीसरी मंजिल, मेकर चैम्बर-IV 222, नरीमन प्वाइंट, मुंबई-400021 द्वारा दायर की गई है जो भारत में पी टी ए के एकमात्र उत्पादक हैं। चूंकि याचिकाकर्ता भारत में पी टी ए का समग्र स्वदेशी उत्पादन करता है, अतः पाटनरोधी नियमों के नियम 5(3)(ख) के तहत याचिका दायर करने का उनका अपेक्षित आधार है। यहां यह तर्क किया गया है कि यहां स्थिति अथवा हैसियत का मानदण्ड समान वस्तु के संदर्भ में लागू किए जाने की जरूरत है और यह निर्दिष्ट प्राधिकारी की स्वीकृत स्थिति है कि डीएमटी और पीटीए समान वस्तुएं हैं। अतः इस हैसियत को समान वस्तुओं के उत्पादकों के संदर्भ में देखे जाने की जरूरत है। इस पहलू की जांच प्राधिकारी द्वारा की गई है और यह पुनः दोहराया जाता है कि मौजूदा याचिका केवल पीटीए के लिए है जो स्वयं में एक ऐसी वस्तु है जिसपर पाटनरोधी जांच के लिए विचार किया जा सकता है। अतः स्थिति का निर्धारण करने के बारे में डीएमटी का उल्लेख आवश्यक नहीं है क्योंकि डीएमटी के उत्पादक मौजूदा शिकायत में हिस्सेदार नहीं हैं।

ड. समान वस्तु

5. प्राधिकारी ने पाया है कि याचिकाकर्ता का उत्पाद तथा सम्बद्ध देशों से आयातित उत्पाद तकनीक विनिर्देशन, निर्माण प्रक्रिया और तकनीक, कार्य तथा प्रयोगों में तुलनीय हैं। प्राधिकारी ने यह भी पाया है कि दोनों के एक समान अन्य प्रयोग हैं और दोनों आयातकों तथा उपभोक्ताओं द्वारा एक दूसरे के स्थान पर प्रयोग में लाए जाते हैं। इसलिए प्राधिकारी यह मानता है कि भारत में घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित पी टी ए की विशिष्टताएं सम्बद्ध देशों से आयातित पी टी ए से बिल्कुल मिलती जुलती हैं। दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापन योग्य हैं, अतः पाटनरोधी नियमों के अर्थ के अंतर्गत इन्हें समान वस्तु माना गया है।

6. अतः प्राधिकारी समान वस्तु पर 22.10.99 के प्रारंभिक निष्कर्षों के पैरा 6 के निष्कर्षों की पुष्टि करते हैं।

च. पाटन का आकलन: सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत

7. पाटन के मानदण्ड, अर्थात् सम्बद्ध देशों के निर्यातकों के संदर्भ में सामान्य मूल्य और निर्यात मूल्य की जांच और उनका निर्धारण सीमाशुल्क टैरिफ (संशोधन) अधिनियम, 1995 की धारा 9(क)(1)(ग) के अनुसार किया गया है।

8. प्राधिकारी ने ऊपर उद्धृत उपबंध के अनुसार सामान्य मूल्य तथा निर्यात मूल्य पर सूचना प्रस्तुत करने के लिए ज्ञात निर्यातकों को अवसर प्रदान किया। निम्नलिखित निर्यातकों/उत्पादकों, जिन्होंने सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत संबंधी अपेक्षित सूचना प्रस्तुत की थी, का निम्नानुसार मूल्यांकन किया गया:

देश: जापान

निर्यातक: मित्सुई कैमिकल इंक

प्राधिकारी ने नोट किया है कि निर्यातक ने जापान में अपनी बिक्रियों की भारत औसत घरेलू बिक्री कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य का दावा किया है और उन पर अंतर्देशीय भाड़ा तथा भंडारण खर्च के लिए समायोजन की मांग की है जिसकी अनुमति प्राधिकारी ने कारखानागत स्तर पर घरेलू बिक्री कीमत निकालने के लिए प्रदान की है। अतः प्राधिकारी ने *** अमरीकी डालर/मी० टन पर सामान्य मूल्य की पुष्टि की है जो प्रारंभिक जांच परिणामों में अनंतिम रूप से निर्धारित किया गया था।

जहां तक निर्यात कीमत का संबंध है, प्राधिकारी द्वारा इसका निर्धारण निर्यातकों द्वारा बताई गई निर्यातों की समेकित कीमत के आधार पर प्रारंभिक निष्कर्षों में किया गया था। तथापि, निर्यातक द्वारा प्रस्तुत सूचनाओं का और आगे विश्लेषण करने पर, निर्यातों की औसत भारत सी एंड एफ कीमत उस समय भिन्न पाई गई है जब इसकी गणना जांच अवधि के लिए निर्यातक द्वारा भारत में निर्यातों के अलग-अलग सौदों और बीजक-वार प्रस्तुत किए गए मात्रा और मूल्य के ब्यौरों के आधार पर की गई। इसलिए, प्राधिकारी ने अंतिम निष्कर्षों के लिए निर्यातों की औसत भारत सी एंड एफ कीमत की गणना निर्यातक द्वारा प्रस्तुत सौदे-वार ब्यौरों के आधार पर की है। निर्यातक द्वारा अंतर्राज्जीय भाड़े और विदेशी भाड़े पर समायोजनों के लिए किए गए दावों की प्राधिकारी ने अनुमति दे दी है। इस प्रकार, प्राधिकारी ने अंतिम निष्कर्षों में ***** अमरीकी डालर प्रति मी० टन की फैक्टरी स्तर पर निर्यात कीमत निर्धारित की है।

इस प्रकार पाटन मार्जिन *** अमरीकी डालर/मी० टन परिकलित किया गया है, जो निर्यात कीमत का 34.26% प्रतिशत होता है।

देश: जापान

निर्यातक: मैसर्स मित्सुबिशी कैमिकल कारपोरेशन

यहां प्राधिकारी ने पाया है कि निर्यातक ने जांच की अवधि के दौरान अपनी घरेलू बिक्रियों को भारत औसत बिक्री कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य की मांग की है तथा

उस पर छूट/कमीशन, आंतरिक भाड़े और साइट छूट के लिए समायोजन की मांग की है। प्राधिकारी ने पाया है कि सामान्य मूल्य की परिगणना में दावाकृत आंतरिक भाड़ा, निर्यात कीमत ढांचे में दावा किए गए भाड़े की तुलना में बहुत अधिक है। प्राधिकारी इस शीर्ष के अंतर्गत राशि को निर्यात मूल्य ढांचे के समतुल्य निर्धारित करता है और अन्य शीर्षों के अधीन दावा किए गए समायोजनों की अनुमति देता है। अतः प्राधिकारी प्रारंभिक जांच परिणामों में निर्धारित किए गए *** अमरीकी डालर/मी० टन सामान्य मूल्य की पुष्टि करते हैं।

जांच की अवधि के दौरान निर्यातक द्वारा भारत को किए गए निर्यात के भारित औसत सी आई एफ मूल्य के आधार पर निर्यात कीमत का दावा किया गया है, संबद्ध अवधि के लिए निर्यात की माहवार मात्रा तथा मूल्य प्रस्तुत किए गए हैं। अंतर्देशीय भाड़े तथा विदेशी भाड़े के लिए समायोजनों का दावा किया गया है जिसकी अनुमति प्राधिकारी द्वारा की गई है। अतः प्राधिकारी प्रारंभिक जांच परिणामों में निर्धारित की गई कारखानागत निर्यात कीमत *** अमरीकी डालर/मी० टन की पुष्टि करते हैं।

इस प्रकार सुनिश्चित किए गए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की तुलना से पाटन मार्जिन *** अमरीकी डालर मी० टन बैठता है जो निर्यात कीमत का 29.90% है।

देश: मलेशिया:
निर्यातक: अमोको कैमिकल (मलेशिया)
सामान्य मूल्य

सामान्य मूल्य के संबंध में, प्राधिकारी प्रारंभिक निष्कर्षों में ली गई स्थिति की पुष्टि करते हैं। पूर्ण सूचनाओं के अभाव में और घरेलू बिक्री कीमत समुचित तौर पर पुष्ट न होने की वजह से प्राधिकारी के पास सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचनाओं को सर्वोत्तम सूचना मानने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। इस प्रकार, सामान्य मूल्य 553 अमरीकी डालर प्रति मी० टन निर्धारित किया गया है।

निर्यात कीमत

निर्यात कीमत के संबंध में निर्यातक द्वारा प्रस्तुत सूचनाओं का और आगे विश्लेषण करने पर यह पाया गया है कि जांच अवधि के दौरान बीजकों की प्रतियों, साक्ष्यों तथा भारत को किए गए निर्यात की कीमत द्वारा इसकी पुष्टि होती है। प्राधिकारी इस सूचना को विश्वसनीय पाते हैं और इस सूचना के आधार पर जांच अवधि के लिए भारत को भारित औसत सी आई एफ निर्यात कीमत *** अमरीकी मी० टन निर्धारित करते हैं। याचिकाकर्ता द्वारा समायोजन हेतु किए गए दावे की अनुमति दे दी गई है और कारखाना स्तर पर निर्यात कीमत *** अमरीकी डालर/मी० टन निर्धारित की गई है।

इस प्रकार, डम्पिंग मार्जिन 68.20% निकाला गया है।

देश: स्पेननिर्यातक मैसर्स इंटरक्विसा

प्राधिकारी ने निर्यातक के इस दावे की जांच की है कि जांच की अवधि के दौरान भारत में पीटी०ए० के कुल आयात के संदर्भ में उनके भारत को निर्यात न्यूनतम सीमा से कम हैं। तथापि प्राधिकारी ने पाया है कि हालांकि याचिकाकर्ता ने स्पेन से भारत को पी टी ए के सम्भावित आयात के बारे में आरंभ में सूचना उपलब्ध कराई थी। तथापि बाद में जुलाई-अगस्त, 1998 के दौरान स्पेन से वास्तविक आयात के विवरण भेजे जो आई सी डी नागपुर और जे एन पी टी पहुंचा था, जिनके आंकड़े कार्यालयी एजेंसी डी जी सी आई एस द्वारा अपने अस्थायी आंकड़ों में नहीं लिए गए। दूसरी तरफ प्राधिकारी ने पाया कि निर्यातक ने स्वयंसेव अपने उत्तर में जांच की अवधि के दौरान भारत को उनके द्वारा निर्यातित 4024 मी.टन की मात्रा के बारे में सूचना दी जिस पर प्राधिकारी ने विश्वास किया है। आगे पीसीआई जाइलीन और पोलिएस्टर लिमिटेड द्वारा प्रकाशित स्रोत से निर्यातक द्वारा उद्धरित जांच की अवधि के दौरान भारत में 226000 मी.टन पीटीए की कुल मात्रा के आयात के संबंध में प्राधिकारी ने पाया कि उक्त आंकड़े केवल अनुमानित 'आंकड़े' हैं वास्तविक आंकड़ें नहीं हैं। भारत में पीटीए के कुल आयातों के वास्तविक आंकड़े प्राधिकारी द्वारा 87497 मी.टन पर निर्धारित किये गए हैं जो डीजीसीआई एंड एस डाटा तथा अन्य स्रोतों के 'आंकड़ों' पर आधारित हैं। इंटरक्विसा द्वारा दावा किये गए जांच की अवधि के दौरान भारत को निर्यातित पीटीए की मात्रा की तुलना में प्राधिकारी द्वारा सुनिश्चित भारत में पीटीए की कुल आयातों के ऊपर उल्लिखित वास्तविक आंकड़ों पर विचार करते हुए, प्राधिकारी ने पाया कि स्पेन से आयात भारत में कुल आयात का 4.60 प्रतिशत बनता है। इस प्रकार यह न्यूनतम स्तर से ऊपर है।

निर्यातक के उनके विरुद्ध इस आधार पर जांच समाप्त करने के संबंध में कि चूंकि उनके द्वारा आयात से हुई क्षति नगण्य है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि नियमों के अनुसार जहां एक से अधिक देशों से आयात के बारे में पाटन-रोधी जांच एक साथ की जा रही हो, उन मामलों में क्षति निर्धारण में स्वदेशी उद्योग पर आयातों के संचयी प्रभाव पर विचार किया जाता है न कि किसी अकेले देश या निर्यातक से आयातों के प्रभाव पर।

प्राधिकारी इसलिए उस देश और निर्यातक के विरुद्ध जांच का समर्थन करता है। प्राधिकारी नोट करता है कि निर्यातक ने जांच की अवधि के दौरान स्पेन में सभी बिक्रियों की भारत औसत स्वदेशी बिक्री कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य की मांग की है और आन्तरिक भाड़े आयात कर अतिरिक्त उत्पादन लागत और दीर्घवधि संविदा के लिए समायोजनों की मांग की है, तथापि प्राधिकारी ने आन्तरिक भाड़े और दीर्घवधि संविदा पर दावा किये गए समायोजनों की अनुमति देते हुए आयात करें और अतिरिक्त उत्पादन लागत पर दावा किये गए समायोजनों पर विचार नहीं किया है। क्योंकि ये फैक्टरी स्तर के पश्चात किये गए खर्च नहीं लगते हैं। इसके अलावा निर्यातक द्वारा मांग किये गए किये प्रभार पुष्ट/प्रमाणित नहीं हैं। इस प्रकार प्राधिकारी, आरम्भिक निर्धारण में निर्धारित सामान्य मूल्य xxx अमरीकी डालर मी.टन की पुष्टि करता है।

निर्यात मूल्य का दावा जांच की अवधि के दौरान निर्यातों के भारित औसत लागत एवं भाड़ा मूल्य आधार पर किया गया है और छूट/कमीशन आन्तरिक भाड़े, हैण्डलिंग, करों, समुद्रपारीय भाड़े और अन्य के लिए समायोजन मांगे गए हैं, जिसकी प्राधिकारी ने अनुमति दी है। इस प्रकार प्राधिकारी, फ़ैक्ट्री स्तर पर XXX अमरीकी डालर मी.टन निर्यात कीमत निर्धारित करता है जिससे प्रारंभिक निष्कर्षों में निर्धारित निर्यात कीमत की पुष्टि होती है।

इस प्रकार पाटन मार्जिन अमरीकी डालर XXX मी.टन पर परिकलित किया गया है जो निर्यात मूल्य का 15 प्रतिशत है।

दिए गए तर्क

इस संबंध में कुछ हितबद्ध पार्टियों ने यह उल्लेख किया है कि जिन कीमतों पर शिकायतकर्ता द्वारा विशेषतः स्पेन को तथा सामान्यः यूरोपीय संघ को वस्तुओं का निर्यात किया गया है वे स्पेन में पी टी ए की कीमतें (और इसलिए सामान्य मूल्य) हैं। यदि इन कीमतों को हिसाब में लिया जाता है तो कोई भी पाटन नहीं हुआ है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

प्राधिकारी ने उपरोक्त विचार की जांच की है और यह निर्णय लिया है कि याचिकाकर्ता की संबद्ध देश अर्थात् स्पेन को किए गए निर्यात की कीमत उस बाजार में संबद्ध वस्तुओं के सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए विशेषकर तब एक संगत घटक नहीं है जबकि निर्यातक ने अपनी घरेलू बिक्री कीमत के बारे में स्वयं ही सूचना प्रस्तुत की है। प्राधिकारी ने मै0 इंटरक्विसा के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण करने हेतु निर्यातक द्वारा स्वयं उपलब्ध करवाई गई सूचना के अनुसार घरेलू बिक्री कीमत पर विश्वास करना उचित माना है। इसके अतिरिक्त सामान्य मूल्य नियमानुसार निर्यातक के मुताबिक होता है न कि देश के मुताबिक। इसलिए प्राधिकारी किसी अकेले निर्यातक के सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु स्पेन में कीमत पर निर्भर रहना उचित नहीं समझते हैं विशेषकर तब जब कि उक्त निर्यातक ने अपनी घरेलू बिक्री कीमत के बारे में सूचना प्रस्तुत की है जो कि उनकी अपनी सूचना के अनुसार उनके निर्यात कीमत की तुलना में उनके मामले में पाटन का साक्ष्य प्रदान करती है।

देश: ताइवान

निर्यातक टुनटैक्स पेट्रोकेमिकल्स लि0

प्रारंभिक निष्कर्ष के पैरा 11 के समुचित उप पैरा के अंतर्गत ताइवान के संबंध में प्राधिकारी द्वारा बतलाई गई स्थिति का किसी भी हितबद्ध पक्ष द्वारा विरोध नहीं किया गया है। इसलिए,

प्राधिकारी प्रारंभिक निष्कर्ष में ली गई उक्त स्थिति की पुष्टि करते हैं और ताइवान के विरुद्ध शुरू की गई पाटनरोधी कार्रवाई को समाप्त करते हैं।

छ पाटन मार्जिन का निर्धारण: सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत की तुलना:

9. प्राधिकारी ने नियमों के अनुबंध-1 में निहित सिद्धांतों के आधार पर सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के बीच उचित तुलना के आधार पर विभिन्न निर्यातकों/उत्पादकों के पाटन मार्जिन का निर्धारण किया है। सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत के बीच उचित तुलना के उद्देश्य से प्राधिकारी ने निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना तथा प्राधिकारी के पास उपलब्ध ऐसी अन्य सूचना पर विचार किया है जिसे प्राधिकारी ने सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना माना है। ऊपर उल्लेखानुसार सहयोगी निर्यातकों के लिए निर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत व्यापार के समान स्तर पर अर्थात् कारखानागत स्तर पर है तथा पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के उद्देश्य से तुलना भारत औसत से भारत औसत पर की गई है। सहयोगी निर्यातकों के मामले में जहां अलग अलग निर्यात सौदों के बारे में भरोसेमंद सूचना उपलब्ध है वहां भारत औसत सामान्य मूल्य की तुलना निर्यात कीमत के साथ अलग अलग सौदों के आधार पर की गयी है।

10. असहयोगी/शेष निर्यातकों का निर्धारण

ताइवान को छोड़कर याचिकाकर्ता द्वारा संबद्ध देशों से नाम न दिये गए असहयोगी निर्यातकों और निर्यातकों/उत्पादकों के संबंध में प्राधिकारी पाटन मार्जिन का निर्धारण प्रत्येक देश के सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों हेतु निर्धारित किये गए उच्चतम पाटन मार्जिन पर करता है।

11. इस प्रकार विषयगत देशों/क्षेत्रों और निर्यातकों के संबंध में निर्यात मूल्य के प्रतिशत के रूप में पाटन मार्जिन निम्न रूप से निर्धारित किया गया है:-

देश	निर्यातक	पाटन मार्जिन
1. जापान	1. मित्सुई के कैमिकल्स इंक	34.26 प्र.
	2. मित्सुबिशी कैमिकल कार्पोरेशन	29.90 प्र.
	3. सभी अन्य निर्यातक	34.26 प्र.
2. मलेशिया	1. अमोको कैमिकल (मलेशिया)	68.20 प्र.
	2. सभी अन्य निर्यातक	68.20 प्र.
3. स्पेन	1. इंटरक्विसा	15 प्र.
	2. सभी अन्य निर्यातक	15 प्र.

12. पहुंच मूल्य

आयातों के पहुंच मूल्य का निर्धारण आयातों का सी आई एफ मूल्य उस पर 1 प्रतिशत लैंडिंग प्रभार 2 प्रतिशत हैंडलिंग प्रभार तथा सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के खंड 3, 3क, 8 ख 9 तथा 9 क के अंतर्गत लगाए जाने वाले शुल्कों को छोड़कर सीमाशुल्क के प्रचलित स्तर के जोड़ के रूप में किया जाता है।

ज. क्षति का निर्धारण

13. प्रारंभिक निष्कर्षों में प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति को नोट किया था। प्राधिकारी ने क्षति के संबंध में यह निष्कर्ष सभी संबद्ध तथ्यों को ध्यान में रखते हुए तथा उक्त नियम 11 के अनुसरण में और नियमों के अनुबंध-11 में स्थापित सिद्धांतों के अनुसरण में निकाला था। इस संबंध में प्राधिकारी ने उन संकेतकों को ध्यान में रखा है जिनका उक्त नियमों के अनुबंध 11(iv) के अनुसरण में उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता है निवल बिक्री आय, लाभप्रदता तथा पाटन की मात्रा और मार्जिन आदि। इस सीमा तक, प्राधिकारी प्रारंभिक निष्कर्षों के पैरा 12 तथा 13 के अंतर्गत घरेलू उद्योग को हुई क्षति के संबंध में दिए गए निष्कर्षों की पुष्टि करते हैं।

उठाए गए तर्क:

क्षति संबंधी निष्कर्षों के संबंध में हितबद्ध पक्षों द्वारा उठाए गए तर्कों पर चर्चा दिनांक 16.3.2000 के प्रकटन विवरण पत्र में पहले ही हो चुकी है। तथापि, इन्हें नीचे दोहराया गया है:

- (i) यहां, यह उल्लेख किया गया है कि विभिन्न मापदंडों पर याचिकाकर्ता के कार्य निष्पादन से जांच अवधि के दौरान याचिकाकर्ता को हुई किसी वास्तविक क्षति का पता नहीं चलता है। याचिकाकर्ता के बाजार हिस्से और बिक्री में वृद्धि हुई है उत्पादन एवं क्षमता उपयोग में भी वृद्धि हुई है। याचिकाकर्ता ने विस्तार किया है और दो नए संयंत्रों की स्थापना की है।
- (ii) मलेशिया के निर्यातकों ने यह उल्लेख किया है कि प्रतिस्पर्धा की ऐसी स्थिति को देखते हुए इस मामले में क्षति के संचयी निर्धारण की आवश्यकता नहीं है जिसमें जापान जैसे देश की निर्यात कीमतों की तुलना में जिनमें लगभग 30 प्रतिशत से 35 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई है उनकी निर्यात कीमत में केवल 5 प्रतिशत की ही गिरावट दर्ज हुई है।

प्राधिकारी द्वारा जांच:

- (i) इस संबंध में प्राधिकारी यह निर्णय लेते हैं कि सभी आर्थिक संकेतकों पर क्षति का पता लगाना आवश्यक नहीं है। क्षति का निर्धारण करने के लिए प्रारंभिक निष्कर्षों में प्राधिकारी द्वारा जिन कारकों नामतः घटती हुई बिक्री आय तथा घाटे में वृद्धि, पर विचार किया गया है, वे घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति पहुंचाने के लिए पर्याप्त हैं।

- (ii) नियमों के अनुबंध 11(iii) में निहित मापदंडों के अनुसार वर्तमान मामले में क्षति का संचयी निर्धारण करना आवश्यक है। जैसा कि उपर्युक्त प्रावधान में बताया गया है ए सी एम मलेशिया की निर्यात कीमत में गिरावट की सीमा पर ध्यान दिए बिना समान घरेलू वस्तु की तुलना में ए सी एम, मलेशिया से निर्यात के मामले में प्रतिस्पर्धा की शर्तें पूरी होती हैं।

कारणात्मक संबंध

14. याचिकाकर्ता द्वारा दिए गए तर्क

(क) यह उल्लेख किया गया है कि केवल गैर-क्षतिकारक बिक्री कीमत और आयातों के पहुंच मूल्य के बीच तुलना के आधार पर कारणात्मक संबंधों का निर्धारण करने का कोई सांविधिक आधार नहीं है। अतः इसे कारणात्मक संबंध स्थापित करने का अकेला आधार मानना कानून सम्मत नहीं है।

(ख) नियम 11 तथा अनुबंध 11 के अंतर्गत क्षति और कारणात्मक संबंध के संगत प्रावधानों में यह अपेक्षित है। कि बिक्री कीमत तथा लाभप्रदता पर आयातों के प्रभाव का आकलन अवश्य किया जाना चाहिए। कौन्सिल में यह स्थापित किया जा चुका है कि जांच अवधि के दौरान बिक्री आय में अत्यधिक गिरावट हुई है और घाटे में वृद्धि हुई है।

(ग) यदि गैर-क्षतिकारक कीमत की पहुंच मूल्य के साथ तुलना करना अनुमत और उचित है तो संगत मापदंड के निर्धारण हेतु तुलना के लिए केवल उन आयातों (पाटित आयातों) पर विचार करना उचित होगा जहां पहुंच लागत एन आई पी से कम है।

(घ) नियमावली के नियम 11(2) के अंतर्गत यह आवश्यक है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण करेगा और निम्नलिखित सहित सभी संगत कारकों को ध्यान में रखते हुए पाटित आयातों और क्षति के बीच कारणात्मक संबंध स्थापित करेगा:

- (i) पाटित आयातों की मात्रा;
- (ii) समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनका प्रभाव तथा
- (iii) ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों का परिणामी प्रभाव।

ऊपर सूचीबद्ध किए गए संकेतात्मक मामलों को नियमों के अनुबंध 11 में स्थापित सिद्धांतों के अनुसरण में निर्धारित किया जाना अपेक्षित है। घरेलू बाजार में कीमतों का प्रभाव केवल एक ऐसा संकेतक कारक है जिस पर क्षति तथा कारणात्मक संबंध के मामलों का निर्धारण करते समय विचार किया जाना होता है। प्रकटन में यह वक्तव्य दिया गया है कि:

अतः कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में कारणात्मक संबंध की नियमानुसार जांच की जानी अपेक्षित है। यह दर्शाता है कि संगत प्रावधानों को गलत रूप से पढ़ा गया है और अकेले संगत मामले के रूप में कीमतों पर प्रभाव की पहचान के द्वारा इसे गलत रूप से पेश किया गया है।

(ड.) नियमों के अनुबंध-॥ के पैराग्राफ (ii) तथा (iv) दोनों उन विभिन्न संकेतकों से संबंधित हैं जिनकी जांच क्षति का निर्धारण करने के लिए की जानी चाहिए। यद्यपि पैराग्राफ (ii) कीमतों पर पाटित आयात के प्रभाव का निर्धारण करने के लिए विचारणीय कारकों की पहचान करता है तथापि पैराग्राफ (iv) यह उल्लेख करता है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने में ऐसे संगत लाभकारी घटकों और संकेतकों का आकलन करना शामिल होगा जिनका निम्न समेत ऐसे उद्योग पर प्रभाव पड़ेगा;

- i) बिक्री, लाभ उत्पादन, बाजार हिस्सा, उत्पादकताएँ निवेश प्राप्ति, क्षमता उपयोग में कमी;
- ii) घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक;
- iii) पाटन मार्जिन की मात्रा;
- iv) नकद प्रवाह, प्राप्तियाँ रोजगार, मजदूरी, विकास और पूंजीगत निवेश को बढ़ाने की क्षमता पर संकेतात्मक प्रभाव।

अनुबंध-॥ के प्रावधानों के अनुसार, क्षति निर्धारण के लिए कीमतों पर पड़ा प्रभाव स्पष्ट तौर पर एकमात्र या मुख्य कारक नहीं है और विचार की जाने वाली कारकों की संकेतात्मक सूची स्वतः ही मूल्यों को छोड़कर विभिन्न मुद्दों को विनिर्दिष्ट करती है, जिन पर विचार होना जरूरी है।

(च) जैसाकि प्रकटन विवरण में दिया गया है, अक्षतिकारक मूल्य, जोकि कारणात्मक संबंध का निर्धारण करने के लिए प्राधिकारी ने अपनाया है, वह आवेशात्मक है और उसकी गणना गलत हुई है। कारणात्मक संबंध की अनुपस्थिति संबंधी निष्कर्ष, जिसकी संगणना अक्षतिकारक कीमत के आधार पर की गई थी, बाद में कायम नहीं रह सके।

प्राधिकारी द्वारा जांच

क) कारणात्मक संबंधों के संबंध में नियमों के अनुबंध (I)(ii) में यह व्यवस्था है कि कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का निर्धारण करने के लिए निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात पर विचार करेगा कि क्या कीमतों में पर्याप्त कमी आई हैं अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में कमी आएगी अथवा कीमत वृद्धि में रोक लगेगी जोकि अन्यथा ऐसा हुआ होता। इसलिए, कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में नियमों के अनुसार कारणात्मक संबंध की जांच की जानी है।

ख) बिक्री कीमत और लाभप्रदता पर पाटित आयातों के कारण कीमत में कटौती या कीमत में कमी के रूप में पड़ने वाले प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी ने प्रारंभिक निष्कर्षों में बताया है कि हालांकि उक्त उत्पाद का पाटन हुआ और याचिकाकर्ता को क्षति हुई है, लेकिन इन दोनों के बीच कोई कारणात्मक संबंध नहीं है। इस संबंध में प्राधिकारी ने पाया कि प्रत्येक ज्ञात निर्यातकों से आयातों का पहुंच मूल्य प्राधिकारी द्वारा याचिकाकर्ता के लिए यथा निर्धारित क्षति रहित बिक्री कीमत

की तुलना में अधिक था । इसलिए, पाटित आयातों और याचिकाकर्ता को हुई क्षाते के बीच कारणात्मक संबंध स्थापित नहीं होते थे ।

प्राधिकारी ने अपने प्रकटन विवरण में इसी स्थिति को पुनः दोहराया था जिसे निम्नानुसार पढ़ा जाएगा -

"मौजूदा कार्रवाई में प्राधिकारी ने बिक्री वसूली और लाभप्रदता में कमी को देखते हुए घरेलू उद्योग की हुई क्षति का ही निर्धारण किया है । तथापि, पाटित आयातों के साथ इसके कारणात्मक संबंध स्थापित नहीं होता है क्योंकि आयातों की पहुंच कीमत क्षति रहित कीमत की तुलना में ज्यादा पाई गई है जिसके परिणामस्वरूप क्षति मार्जिन नकारात्मक रहा और याचिकाकर्ता की बिक्री कीमत पहुंच कीमत से कम पाई गई है । चूंकि, आयातों की पहुंच कीमत बिक्री वसूली की तुलना में ज्यादा पाई गई है इसलिए पाटित आयातों के परिणामस्वरूप कीमतों में कटौती करने अथवा कीमतों में कमी करने का कोई साक्ष्य नहीं है ।

यद्यपि निर्दिष्ट प्राधिकारी का उक्त निष्कर्ष अभी भी कायम है और इसलिए जापान और मलेशिया से ज्ञात निर्यातकों अर्थात् मैसर्स मित्सुई केमिकल, मैसर्स मित्सुबिशी कारपोरेशन और मैसर्स अमोको के संबंध में इसकी पुष्टि करते हैं । तथापि प्राधिकारी उपलब्ध सूचना के विश्लेषण के आधार पर इसे मैसर्स इन्टरक्विंसा, स्पेन के मामले में लागू नहीं पाते हैं । प्राधिकारी आंकलन के आधार पर मैसर्स इन्टरक्विंसा के मामले में पाते हैं कि पहुंच कीमत याचिकाकर्ता के लिए निर्धारित क्षति रहित बिक्री कीमत की तुलना में कम है । इससे एक सकारात्मक क्षति मार्जिन बनता है जिससे कीमत में कटौती हुई है और इसलिए कारणात्मक संबंध सिद्ध होता है । प्राधिकारी ने क्षति मार्जिन के निर्धारण के लिए क्षति रहित बिक्री कीमत के साथ पहुंच कीमत की तुलना के प्रयोजन से पाटित आयातों को लिया है ।

ग) प्राधिकारी ने तुलना के लिए केवल पाटित आयातों अर्थात् सामान्य मूल्य से कम आयात संबंधी सौदे को अंगीकार किया है । याचिकाकर्ता के प्रस्तुत दावों के विपरित, पाटित आयात वे आयात नहीं हैं जहां उतराई लागत क्षति रहित कीमत से कम है । प्राधिकारी ने क्षति मार्जिन का निर्धारण करने के लिए क्षति रहित कीमत के साथ उतराई मूल्य की तुलना के प्रयोजनार्थ पाटित आयातों को अंगीकार करने का प्रस्ताव किया है । वस्तुतः अधिनियम या नियमों में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है जिस पर केवल उन आयातों की तुलना पर विचार किया जाय जहां उतराई लागत क्षति रहित कीमत से कम है ।

घ) और (ड.) प्राधिकारी का इस संबंध में यह मानना है कि कारणात्मक संबंध, जो कि किसी भी पाटन रोधी जांच का एक आवश्यक संघटक है, उसका निर्धारण केवल उन मानदंडों के संदर्भ में किया जाता है जिन पर क्षति का निर्धारण किया गया है । मौजूदा मामले में क्षति के मानदंड बिक्री वसूली और लाभप्रदता हैं ।

नियमों के अनुबंध-II के पैराग्राफ-iv में उल्लेखित अन्य संकेतकों पर जो घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए उक्त प्रावधान के तहत मूल्यांकन हेतु अनिवार्य हैं, प्राधिकारी द्वारा कोई क्षति नहीं पाई गई है। चूंकि ये संकेतक घरेलू उद्योग को हुई कोई क्षति नहीं दर्शाते हैं इसलिए, प्राधिकारी इन कारकों से संबंधित कारणात्मक संबंधों का निर्धारण करने के लिए इस पर विचार करना उचित नहीं समझते हैं।

चूंकि कीमत और लाभप्रदता का निर्धारण क्षति के एकमात्र मानदंड के रूप में किया जाता है, इसलिए प्राधिकारी, जैसाकि अनुबंध-II के पैरा(ii) के तहत अनिवार्य है, घरेलू बिक्री कीमत पर पाटित आयातों के प्रभाव के रूप में पाटित आयातों और घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कोई कारणात्मक संबंध नहीं पाते हैं क्योंकि कीमतों में कटौती करने अथवा कीमतों में कमी करने के कोई साक्ष्य नहीं मिलते हैं। यह तथ्य कि आयातों की पहुंच कीमत क्षति रहित कीमत से अधिक है और वास्तविक बिक्री कीमत का तात्पर्य यह है कि पाटित आयात की कीमतों ने घरेलू उद्योग को नुकसान पहुंचाया है। इसलिए, प्राधिकारी मानते हैं कि पाटित आयातों और घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कोई कारणात्मक संबंध नहीं है।

(च) अक्षतिकारक कीमत के बारे में घरेलू उद्योग को सूचना 16 मार्च, 2000 को जारी किए गए प्रकटन विवरण के गोपनीय अनुबंध में दी गई थी। तत्पश्चात् घरेलू उद्योग ने इस संबंध में कुछ स्पष्टीकरण मांगे थे। अक्षतिकारक कीमत के निर्धारण की विस्तृत पद्धति और इस बारे में याचिकाकर्ता के दावों के बारे में 28 मार्च, 2000 को आयोजित एक बैठक में मै0 आर आई एल के प्रतिनिधियों के साथ विचार-विमर्श किया गया था। प्रकटन विवरण के उत्तर में याचिकाकर्ता द्वारा 30 मार्च, 2000 को प्रस्तुत की गई गोपनीय सूचना का विश्लेषण भी किया गया और प्राधिकारी यह निर्णय लेते हैं कि पहले से प्रकट की गई अक्षतिकारक कीमत में कोई परिवर्तन करने की जरूरत नहीं है।

ज. अंतिम निष्कर्ष

15. उपर्युक्त पर विचार करने के पश्चात् यह देखा गया है कि:-

क) जांच अवधि अर्थात् 1 अप्रैल, 1998 से 31 दिसम्बर 1998 के दौरान ताइवान से पी टी ए का कोई आयात नहीं हुआ है।

ख) पैरा-5 के अंतर्गत वार्षिक और जापान, मलेशिया और स्पेन के मूल के अथवा वहां से निर्यातित पी टी ए का सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर निर्यात किया गया है जिसके परिणामस्वरूप पाटन हुआ।

ग) भारतीय उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

घ) तथापि, मैसर्स इंटरक्विसा, स्पेन के मामले को छोड़कर संबद्ध देशों से ज्ञात निर्यातकों के मामले में उत्पाद के पाटन और क्षति के बीच कारणात्मक संबंध सिद्ध नहीं हुआ है।

16. उपर्युक्त को देखते हुए प्राधिकारी सीमा शुल्क उपशीर्ष 2917.36 के अंतर्गत आने वाले केवल स्पेन मूल के या वहां से निर्यातित पीटीए के सभी आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं।

17. पाटनरोधी शुल्क की राशि पाटनमार्जिन के बराबर अथवा ऐसे कम शुल्क की सिफारिश करने पर विचार किया गया था जिसे यदि लगाया जाए तो उससे घरलू उद्योग की क्षति समाप्त हो जाएगी। निजी निर्यातक के लिए इस उद्देश्य से आयातों की पहुंच कीमत की तुलना जांच अवधि के लिए निर्धारित घरलू उद्योग की क्षति रहित बिक्री कीमत से की गई थी। चूंकि यह अंतर पाटन मार्जिन से कम था, वहां पाटन मार्जिन से कम शुल्क लगाने की सिफारिश की गई है।

18. तदनुसार, यह प्रस्ताव किया जाता है कि सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम के सीमा शुल्क उपशीर्ष सं० 2917.36 के तहत आने वाले केवल स्पेन मूल के या वहां से निर्यातित सभी पीटीए के आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तिथि से निश्चयात्मक पाटन रोधी शुल्क लगाया जाए। उक्त संबद्ध देशों के निर्यातकों/उत्पादकों के संबंध में निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क नीचे की सारिणी के कालम 4 में उल्लिखित राशि होगी -

क्र० सं०	देश	निर्यातक/उत्पादक	राशि(रु० प्रति मी० टन)
1	2	3	4
1.	स्पेन	(1) मै० इन्टरक्विसा (2) अन्यसभी निर्यातक	521/- 521/-

19. इस आदेश के विरुद्ध अपील उपरोक्त अधिनियम के अनुसरण में सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क, स्वर्ण (नियंत्रण) न्यायलय में की जा सकती है।

रति विनय झा, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE
(Directorate General of Anti-Dumping and Allied Duties)

NOTIFICATION

New Delhi, the 20th April, 2000

FINAL FINDINGS

Subject:- Anti-dumping investigation concerning imports of Pure Terephthalic Acid(PTA) from Japan, Malaysia, Spain and Taiwan – Final Findings.

No. 27/1/98-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of anti-dumping duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof:

A) PROCEDURE

1. The procedure described below has been followed:
 - i) The Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) notified the preliminary findings vide notification dated 22.10.99, on anti-dumping investigation concerning imports of Pure Terephthalic Acid(PTA) from Japan, Malaysia, Spain and Taiwan (herein after also referred to as subject countries) and requested the interested parties to make their views known in writing within forty days from the date of its publication.
 - ii) The Authority forwarded a copy of the preliminary findings to the known interested parties, who were requested to furnish their views, if any, on the preliminary findings within forty days of the date of the letter;
 - iii) The Authority also forwarded a copy of the preliminary findings to the embassies of Japan, Malaysia, Spain and Taiwan in New Delhi with a request to them to advise the exporters and other interested parties to furnish their views on the preliminary findings in the time frame as stipulated in (i) and (ii) above.
 - iv) The Authority provided an opportunity of public hearing to all interested parties to present their views orally on 2.12.99. A further opportunity of hearing was granted by the Authority on 2.2.2000 on the specific request of an interested party and an intimation in this regard was sent to all the interested parties. All parties presenting their views were requested to file written submissions of the views expressed. The parties were advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties and other rebuttals, if any;
 - v) The Authority made available the public file to all interested parties containing non-confidential version of all evidence submitted by various interested parties for inspection, upon request;

vi) Arguments raised by the interested parties before announcing the preliminary findings, which have been brought out in the preliminary findings notified have not been repeated herein for the sake of brevity. However, the arguments raised by the interested parties subsequently, to the extent they are relevant under the Rules, have been appropriately dealt in the preliminary findings and/or these findings.

vii) In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties in the Disclosure statement dtd. 16.3.2000 and comments received on the same have also been duly considered in these findings.

viii) The period of investigation (POI) considered in this case is 1.4.98 to 31.12.98.

B. VIEWS OF PETITIONERS, EXPORTERS, IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES AND EXAMINATION BY AUTHORITY.

2. The views expressed by various interested parties have been discussed in the preliminary findings and also in the disclosure statement. The views which have not been discussed earlier in the Preliminary findings and the disclosure statement and those now raised in response to the disclosure statement, are discussed in the relevant paras herein below to the extent these are relevant as per the Rules and have a bearing upon the case. The arguments raised by the interested parties have been examined and wherever appropriate, dealt in the relevant paras herein below.

C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION

3. The product involved in the present investigation is Pure Terephthalic Acid (PTA) originating in or exported from the subject countries, classified under Customs Subheading 2917.36 of Customs Tariff Act. The Classification is only indicative and in no way binding on the scope of present investigation. PTA is a white free flowing crystalline powder free from any visual contamination. PTA is normally used in the manufacture of polyester staple fibre/filament yarn/polyethylene terephthalate (PET) (Textile Grade) and polyester films.

D. "DOMESTIC INDUSTRY" STANDING OF THE PETITIONER

4. The petition has been filed by M/s Reliance Industries Ltd., 3rd Floor, Maker Chamber-IV, 222, Nariman Point, Mumbai-400021 who are the only producer of PTA in India. Since the petitioner accounts for the total production of PTA in India, they have the requisite standing to file the petition as per rule 5(3) (b) of the Anti-Dumping Rules. Here an argument has been raised that the test of standing is required to be applied with reference to the like article and it is the admitted position of the Designated Authority that DMT and PTA are like articles. Therefore, the standing is required to be seen with reference to producers of like articles. This aspect has been examined by the Authority and it is reiterated that the present petition is for PTA alone which, by itself, is an article which could be considered for anti dumping investigation. Therefore, the reference to DMT in regard to determination to standing is not relevant since the DMT producers are not a party to the present complaint.

E. LIKE ARTICLE

5. The Authority finds that the petitioner's product and that imported from the subject countries are comparable in technical specifications, manufacturing process and technology, functions and uses. The Authority also finds that both have similar end uses and both are used by the importers and consumers interchangeably. Thus, the Authority observes that PTA produced by the domestic industry in India has characteristics closely resembling the same of PTA imported from the subject countries. Both are technically and commercially substitutable and, therefore, are treated as Like Articles under the meaning of the Anti-Dumping Rules.

6. The Authority, therefore, confirms the findings of para 6 of the preliminary findings, dated 22.10.99 on like article.'

F. ASSESSMENT OF DUMPING: NORMAL VALUE AND EXPORT PRICE

7. The parameters of dumping, namely, the Normal value and export price, in relation to the exporters of the subject countries are examined and determined in terms of Section 9 A(1) (c) of the Customs Tariff (Amendment) Act, 1995.

8. The Authority provided opportunity to the known exporters to furnish information on Normal value and Export price in accordance with the provision cited above. The following exporters/producers, who responded and furnished requisite informations on Normal Value and Export Price, have been assessed as under :-

Country : Japan:

Exporter : Mitsui Chemical Inc.

The Authority notes that the exporter have claimed Normal Value on the basis of weighted average domestic price of their sales in Japan and the adjustments made thereon on account of inland freight and storage which the Authority allows to reach the domestic selling price at ex-works level. Therefore, the Authority confirms the Normal Value at US\$ xxx/M.T. provisionally determined in the Preliminary Findings.

As regards Export price, the same was determined in the Preliminary Findings by the Authority on the basis of consolidated Value of Exports reported by the exporters. However, on further analysis of the exporter's informations, the weighted average c&f price of exports is found different when calculated on the basis of transaction and invoice-wise details of quantity and value of exports to India furnished by the exporter for the period of investigation. The Authority, therefore, for Final Findings, determines the weighted average c&f price of exports on the basis of transaction-wise details furnished by the exporter. Adjustments claimed by the exporter on account of inland freight and overseas freight are allowed by the Authority. Thus, the Authority arrives at the ex-works export price of US\$xxxxx/M.T. in the Final Findings.

The comparison of the Normal Value and export price so determined calculates the dumping margin as US\$ xxx/ M T. which is 34.26% of the export price.

1139 GL/2000-3.

Country : Japan**Exporter : M/s Mitsubishi Chemical Corporation:**

Here, the Authority finds that the exporter have claimed Normal value on the basis of weighted average selling price of their domestic sales during the period of investigation and adjustments thereon claimed on account of discounts/commission, inland freight and sight discount. The Authority finds the inland freight claimed in Normal value calculation to be on a much higher side as compared to the same claimed in export price structure. The Authority determines the amount under this head at par with the same in export price structure and allows adjustments claimed under other heads. Thus the Authority confirms the Normal Value at US\$xxx/M.T. determined in the Preliminary Findings.

As regards export price, the Authority finds that the exporter have claimed the same on the basis of weighted average cif value of exports to India during the POI. Month wise Value and quantity of exports have been furnished for the relevant period. Adjustments are claimed on account of discounts/commission, inland freight, handling and overseas freight, which are allowed by the Authority. The Authority, thus, determines the export price at US\$ xxx/M.T. at ex-factory level.

The dumping margin is thus calculated at US\$ xxx/M.T. which works out to 29.90% of the export price.

Country : Malaysia:**Exporter : Amoco Chemical (Malaysia)****Normal Value**

In regard to the Normal Value, the Authority confirms the position taken in the Preliminary Findings. In the absence of complete informations and proper corroboration of the domestic selling price, the Authority has no other alternative but to rely upon the informations provided by the petitioner as the best available information for determination of Normal Value. Thus, the Normal Value is determined at US\$ 553/M.T.

Export Price

As regards Export Price, the same, on a further analysis of the exporter's informations, is found to have been corroborated by the copies of invoices, evidencing, Export price to India during the POI. The Authority finds this information to be reliable and on the basis of this information determines the weighted average c&f export price to India for the POI at US\$xxxM.T. The adjustment claimed by the petitioner towards freight has been allowed by the Authority and the export price at ex-factory level is determined at US\$ xxxx/M.T.

The dumping margin is thus calculated at 68.20%.

Country : Spain**Exporter : M/s Interquisa:**

The Authority has examined the claim of the exporter that their exports to India are below de minimus with reference to total imports of PTA into India during the period of investigation. However, the Authority finds that even though the petitioner initially

provided information on expected arrivals of PTA from Spain into India, furnished later the details of actual import from Spain during July-August, 1998 arriving at ICD, Nagpur and JNPT, the data of which are not captured by the official agency, i.e. DGCIS, in their provisional figures. The Authority, on the other hand, finds that the exporter themselves, in their response, have informed about the volume of 4024 M.T. of PTA exported by them to India during the period of investigation, which the Authority relies upon. Further, with regard to the total volume of imports of PTA into India of 226000 M.Ts. during the POI quoted by the exporter from the source published by PCI-xylene and Polyesters Ltd., the Authority finds that the said figure is only in the nature of forecast data and not actual data. The actual figure of total imports of PTA into India is determined by the Authority at 87,497 M.T. on the basis of DGCI & S data and the data from other sources. Considering the volume of PTA exported by Interquisa to India during the POI as claimed by them vis-à-vis the aforesaid actual figure of total import of PTA into India as determined by the Authority, the Authority finds that the imports from Spain constitute 4.60% of total imports into India and, thus, the same are above the de-minimus level.

As regards the exporter's claim to terminate the investigation against them as the injury caused by the imports from them is negligible, the Authority notes that as per the Rules it is the cumulative impact of imports on the domestic industry, and not the impact of imports from an individual country or exporter, which is to be taken into account in injury determination in cases where imports from more than one country are being simultaneously subjected to anti-dumping investigation.

The Authority, therefore, upholds the investigation against the country and the exporter. The Authority notes that the exporter have claimed Normal value on the basis of weighted average domestic selling price of all sales in Spain during the period of investigation and the adjustments claimed on account of inland freight, import taxes, additional production cost and long term contract. The Authority, while allowing the adjustments claimed on inland freight and long term contract, however, does not take into consideration the adjustments claimed on import taxes and additional production cost as these do not seem to be expenses incurred after the ex-factory stage. Further, these charges claimed by the exporter are not corroborated/evidenced. Thus, the Authority confirms the Normal value at US\$ xxx/M.T. determined in the Preliminary findings.

Export price is claimed on the basis of weighted average C & F value of exports to India during the POI and the adjustments claimed on account of discounts/commission, inland freight, handling, taxes, overseas freight and others which the Authority allows. Thus the Authority determines the export price at US\$ xxx/M.T. at ex-factory level, which is a confirmation of the same determined in the Preliminary findings.

The dumping margin is, thus, calculated at US\$ xxx/M.T. which is 15% of the export price.

Arguments raised

In this regard some interested parties have submitted that the prices at which the complainant has exported goods to Spain in particular and to the European Union in general are the prices (and hence Normal value) of PTA in Spain. When these prices are taken into account, there would be no dumping at all.

Examination by the Authority

The Authority has examined the aforesaid view point and holds that the export price of the complainant to the subject country i.e. Spain, is not a relevant factor to determine the normal value of the subject goods in that market specially when the exporter themselves have furnished information on their domestic selling price. The Authority has considered it appropriate to rely upon the domestic selling price as per the information of the exporter themselves to arrive at the Normal Value for M/s Interquisa. Further, Normal Value, under the Rules, is exporter specific and not country specific. Therefore, the Authority does not consider it proper to rely upon the price in Spain for the determination of Normal Value of an individual exporter, especially when the individual exporter has furnished information on its domestic selling price which, vis-à-vis their export price as per their own information, evidences dumping in their case.

Country : Taiwan

Exporter : Tuntex Petrochemicals Ltd.

The position stated by the Authority in respect of Taiwan under the appropriate sub para of para 11 of the Preliminary Findings has not been controverted by any interested party. Therefore, the Authority confirms the said position taken in the Preliminary Findings and terminates the anti dumping proceedings initiated against Taiwan.

G. ASSESSMENT OF DUMPING MARGIN: COMPARISON OF NORMAL VALUE AND EXPORT PRICE:

9. The Authority has determined the dumping margin for various exporters/producers on the basis of a fair comparison between the Normal value and the Export price and on the basis of the principles laid down in Annexure 1 to the Rules. For the purpose of fair comparison between the Normal value and the Export price, the Authority has taken into consideration the informations furnished by the exporters and other informations available which the Authority has treated as the best available informations. The Normal value and the export price determined for the cooperative exporters, as detailed above, are at same level of trade, i.e. at ex-factory level, and the comparison is weighted average to weighted average for the purpose of determining the dumping margin. In the case of cooperative exporters, where reliable information is available on the individual export transactions, weighted average Normal value has been compared with export price on a transaction-to-transaction basis.

10. Assessment of Non Cooperative/Residual Exporters:

In respect of non-cooperative exporters and the exporter/producers not named by the petitioner from the subject countries excluding Taiwan, the Authority determines the dumping margin at the highest dumping margin determined for the cooperative exporter/producers from each country.

11. Thus, the dumping margin as % of export price in respect of the subject countries/territory and the exporters is determined as under :-

Country	Exporter	Dumping Margin
1. Japan	4. Mitsui Chemicals Inc.	34.26 %
	5. Mitsubishi Chemical Corpn.	29.90 %
	6. All other Exporters	34.26 %
2. Malaysia	1. Amoco Chemical (Malaysia)	68.20 %
	2. All other Exporters	68.20 %
3. Spain	1. Interquisa	15 %
	2. All other exporters	15%

12. Landed value

The landed value of imports is determined as a sum of the cif value of imports, 1% thereof towards landing charges, 2% thereof towards handling charges and the prevailing level of Customs duties, except the duties levied under section 3, 3A, 8B, 9 and 9 A of the Customs Tariff Act, 1975.

H ASSESSMENT OF INJURY :

13. In the Preliminary findings, the Authority had noted the injury to the domestic industry on account of dumped imports from the subject countries. The Authority had reached the conclusion about injury after taking into account all relevant facts and in accordance with Rule 11 Supra and the Principles set out in Annexure II to the Rules. For determination of injury, the Authority had examined the impact of dumped imports on the domestic industry. In this regard, the Authority had considered such indices having a bearing on the state of industry as net sales realisation, profitability and magnitude and margin of dumping etc. in accordance with Annexure II (iv) of the Rules Supra. To this extent, the Authority confirms the findings relating to injury to the domestic industry under para 12 and 13 of the Preliminary Findings.

Arguments raised:

The arguments raised by the interested parties in regard to the findings on injury have already been dealt with in the disclosure statement dtd. 16.3.2000. However, the same are reiterated as under :-

- (i) Here, it is stated that the performance of the petitioner on various parameters shows no material injury to the petitioner during the POI. The market share and sales of the petitioner has increased. The production and capacity utilization have also increased. The petitioner have carried out expansion and have set up two new plants.
- (ii) The exporter from Malaysia have submitted that cumulative assessment of injury is not warranted in the case in view of the conditions of competition in which their export price have declined by only 5% as compared to the export prices from country such as Japan which have declined by about 30% to 35%.

Examination by Authority :

- (i) The Authority in this regard holds that it is not necessary to find injury on all economic indicators. The factors which the Authority has considered in Preliminary findings for determination of injury, namely, decreasing sales realization and increase in losses, are sufficient to constitute material injury to the domestic industry.
- (ii) Cumulative assessment of injury is warranted in the present case as per the parameters laid down in Annexure II(iii) of the Rules. The conditions of competition as stated in the said provision are satisfied in the case of export from

1 ACM, Malaysia vis-à-vis the² Like domestic article³ irrespective⁴ of the extent⁵ of decline in the former's export price.⁶

898 0 00 81

I. CAUSAL LINK

896 0 02 83

14. Arguments raised by the petitioner

691 0 00 81

(a) It is stated that there is no statutory basis for determination of Causal link solely on the basis of a comparison between the non-injurious selling price and the landed value of imports. Hence, to take it as the sole basis for establishing causal link is not sustainable in law.

694 0 00 40

(b) The relevant provisions as to injury and causal link under Rule 11 and Annexure-II to the Rules require that the effect of imports on the sales price and profitability must be ascertained. In the proceedings it has been established that there has been a significant decline in the sales realization and increase in losses during the B.O.I.

695 0 03 24

(c) If at all the basis of comparing the non-injurious price with the landed value is permissible and appropriate, for determination of relevant criterion it would be proper to consider for comparison only those imports (dumped imports) where the landed cost is lower than the NIP.

697 0 03 64

(d) Under Rule 11(2) of the Rules it is mandatory that the Designated Authority shall determine the injury to domestic industry and a causal link between dumped imports and injury taking into account all the relevant factors, including :

642 0 02 83

(i) the volume of dumped imports;

(ii) their effect on prices in the domestic market for like articles and

643 0 00 40

(iii) the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles.

The indicative issues as listed above are required to be determined in accordance with the principles set out in Annexure-II to the Rules. The effect on prices in the domestic market is merely one of the indicative factors to be considered when determining the issues of injury and causal link. The statement in the Disclosure, that :

636 0 02 43

"therefore the causal link has to be examined as per the Rules with respect to the effect of dumped imports on prices"

647 0 00 40

indicates that the relevant provisions have been misread and unduly constricted by identifying the effect on prices as the only relevant issue.

(e) Paragraphs (ii) and (iv) of Annexure-II to the Rules both deal with the different indices which must be examined to determine injury. While paragraph (ii) identifies the factors to be looked at for appraising effect of the dumped import on prices, paragraph (iv) specifies that an examination of the impact of the dumped import on domestic industry shall include an evaluation of relevant economic factors and indices having a bearing in such an industry including ;

659 0 02 43

(i) decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investment, utilization of capacity ;

	1(ii)	factors affecting domestic prices;	4	5	6
	(iii)	the magnitude of margin of dumping;			
तेलवा टोला	(iv)	indicative effect on cash flow, inventories, employment, wages, growth and ability to raise capital investments/			45
शीट नं० 29		As per the provisions of Annexure-II, the effect on prices is clearly not the sole or principal factor for a determination of injury and the indicative list of factors to be considered itself specifies various issues other than price which must be considered.	1760	0	03 64
तेलवा टोला			29	66	02
शीट नं० 25	(f)	The Non-injurious Price (NIP), as set out in the Disclosure, which the Authority has adopted for determining the issue of Causal Link, is flawed and erroneously computed. The findings as to an absence of Causal Link, based on NIP as calculated, are consequently unsustainable.	828	0	00 40
			826	0	07 69
			827	0	02 43

Examination by Authority

- (a) Regarding causal link, Annexure-II (ii) to the Rules provides that for determining the effect of dumped imports on prices, the Designated Authority shall consider whether there has been a significant price under cutting or whether the effect of such imports is to depress prices or to prevent a price increase which otherwise would have occurred. Therefore, the causal link has to be examined as per the Rules with respect to the effect of dumped imports on prices.
- (b) In regard to the effect of dumped imports on the sales price and profitability in terms of price-undercutting or price-depression, the Authority, in the Preliminary Findings, stated that though there is dumping of the product and there is injury suffered by the petitioner, there is no causal link between the two. In this connection, the Authority found that the landed value of imports from each of the known exporters was higher vis-à-vis the non-injurious selling price for the petitioner as determined by the Authority. Hence, the causal link between dumped imports and the injury suffered by the petitioner was not established.

The same position was reiterated by the Authority in the Disclosure which reads as under :-

“In the present proceedings the Authority does establish injury to the domestic industry on account of decline in the sales realization and profitability. However, its causal link with dumped imports is not established because the landed price of imports is found to be higher than the non-injurious price resulting in negative injury margin and the selling price of the petitioner is found to be lower than the landed price. Since the landed prices of the imports are found to be higher than the sales realization there is no evidence of price under cutting or price depression resulting from the dumped imports.”

While the aforesaid finding of the Designated Authority still holds good and is, therefore, confirmed in respect of known exporters from Japan and Malaysia, namely, M/s Mitsui Chemicals, M/s Mitsubishi Corporation and M/s Amoco, the Authority, on analysis of the information available, does not find the same applicable in the case of M/s Interquisa, Spain. In the case of M/s Interquisa the Authority has, on assessment, found the Landed value to be lower than the Non Injurious Selling Price determined for the petitioner. This implies a positive injury margin whereby price under-cutting and,

therefore, Causal link is proved. The Authority has adopted the dumped imports for the purpose of comparison of Landed value with Non-injurious selling price for determination of injury margin.

- (c) The Authority, for comparison, has adopted only the dumped imports, i.e. the import transactions below the normal value. Contrary to the submission of the petitioner, the dumped imports are not defined as those imports where the landed cost is lower than the NIP. The Authority proposes to adopt the dumped imports for the purpose of comparison of landed value with NIP for determining the injury margin. In fact there is no provision in the Act or Rules to consider for comparison only those imports where the landed cost is lower than NIP.
- (d)&(e) The Authority in this regard holds that Causal Link which is an essential ingredient of any anti dumping investigation is to be assessed with reference only those parameters on which injury has been assessed. In the present case the parameters of injury are sales realizations and profitability.

On other indices enumerated in paragraph (iv) of Annexure-II to the Rules, which are mandated for evaluation under the said provision for an examination of the impact of the dumped imports on domestic industry, no injury has been found by the Authority. Since these indices do not reflect any injury to the domestic industry, the Authority does not consider it appropriate to determine Causal Link in regard to these factors.

Since price and profitability are determined as the sole parameters of injury the Authority, as mandated under para (ii) of Annexure-II, has found no Causal Link between the dumped imports and injury to the domestic industry in terms of the impact of the former on the domestic selling price as there is no evidence of price under cutting or price depression. The fact that the landed price of imports is higher than the non-injurious price and actual selling prices implies that the dumped import prices have not caused injury to the domestic industry. Therefore, the Authority holds that there is no Causal Link between the dumped imports and injury to the domestic industry.

- (f) The domestic industry was intimated the Non-injurious price (NIP) in the Confidential Annexure to the Disclosure issued on 16th March, 2000. The Domestic industry had thereafter solicited certain clarifications in this regard. The detailed methodology for assessing NIP and the claims of the petitioner in this regard were discussed with the representatives of M/s RIL in a meeting on 28th March, 2000. The confidential information submitted by the petitioner dtd. 30th March, 2000 in their response to the Disclosure statement has also been analysed and the Authority holds that the NIP already disclosed needs no change.

J. FINAL FINDINGS:

15. After considering the foregoing, it is seen that :

- (a) there has been no import of PTA from Taiwan during the period of investigation, i.e. 1st April, 1998 to 31st Dec., 1998.

- (b) PTA described under para 5 and originating in or exported from Japan, Malaysia and Spain has been exported below normal value, resulting in dumping.
- (c) The Indian Industry has suffered material injury.
- (d) However, the causal link between the dumping of the product and injury has not been established in the case of the known exporters from the subject countries except in the case of M/s Interquisa, Spain.

16. In view of the above the Authority recommends imposition of definitive anti dumping duty on all imports of PTA, falling under Customs Sub-heading 2917.36, originating in or exported from Spain only.

17. It was considered to recommend the amount of anti-dumping duty equal to the margin of dumping or less which, if levied, would remove injury to domestic industry. Landed value of imports for individual exporter, for the purpose, was compared with the non-injurious selling price of the domestic industry, determined for the period of investigation. Since the difference is found to be less than the dumping margin a duty lower than the dumping margin is recommended.

18. Accordingly, it is proposed that definitive anti dumping duties be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government on all imports of Pure Terephthalic Acid(PTA) originating in or exported from Spain only falling under Customs Subheading No. 2917.36 of Customs Tariff Act. The definitive anti-dumping duty in respect of the exporters/producers of the said subject country shall be the amount mentioned in column 4 of the following table :-

Sl.No.	Country	Exporter/producer	Amount(Rs.per M.T.)
1.	2.	3.	4.
1.	Spain	(i) M/s Interquisa (ii) All other exporters	521/- 521/-

19. The appeal against this order shall lie to the Customs, Excise and Gold(Control) Tribunal in accordance with the Act Supra.

RATHI VINAY JHA, Designated Authority

1	2	3	4	5	6
		113	0	00	40
		115	0	00	40
		119	0	06	88
		57	0	00	81
		21	0	13	36
		20	0	00	81
		19	0	00	81
		18	0	02	83
		16	0	00	81
		15	0	23	07
		10	0	00	81
		11	0	00	81
		09	0	00	81
		02	0	15	78
तेलवा दोला तीलौना	29	742	0	02	43
शीट नं० 28		745	0	07	28
		740	0	04	45
		738	0	00	40
		739	0	02	02